हिमाचल नौ देवी दर्शन, कुरुक्षेत्र चण्डीगढ़, कुल्लु, अमृतसर, मनाली, मनीकरण, वैष्णोदेवी

यात्रा समयः 13 दिन

यात्रा प्रस्थान: 15 जुलाई व 22 अक्टूबर 2026

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	**दिल्ली** से दिन के भोजन के पश्चात 12:00 बजे प्रस्थान (रात्रि विश्राम कुरुक्षेत्र)।
दूसरा दिन	**कुरुक्षेत्र** ब्रह्मसरोवर स्नान, ज्योतिशर, थानेश्वर, भद्रकाली मंदिर, पेनोरमा दोपहर भोजन के पश्चात पिंजोर गार्डन देखते हुए रात्रि विश्राम चंडीगढ़ में।
तीसरा दिन	**चंडीगढ़** से **मनसा देवी दर्शन**, **नैना देवी दर्शन**, हवन कुंड, प्राचीन गुफा करते हुए रात्रि विश्राम कुल्लू।
चौथा दिन	**कुल्लु** से मनीकरण में गर्म कुंड स्नान, शिव मंदिर दर्शन, गुरुद्वारा दर्शन, मनोकामना देवी मंदिर दर्शन, राम मंदिर दर्शन करते हुए रात्रि विश्राम कुल्लू।
पांचवा दिन	**मनाली** वशिष्ट ऋषि मंदिर, रोहतांग पास, हिडिम्बा माता करते हुए रात्रि कुल्लू।
छठा दिन	**चामुण्डाजी** में वैजनाथ मंदिर, **चामुण्डा माता दर्शन**(रात्रि चामुण्डाजी)।
सातवां दिन	**कांगड़ा** में **बृजेश्वरी माता दर्शन**(नगर कोट धाम), **बगलामुखी माता दर्शन**, **चिंतपूर्णी माता दर्शन**, **ज्वालाजी माता दर्शन**, गोरख डिब्बी (रात्रि ज्वालाजी)।
आठवां दिन	**चीची देवी** मंदिर दर्शन, जम्मू में रघुनाथ मंदिर दर्शन (रात्रि विश्राम कटरा)।
नवां दिन	**वैष्णो देवी** दर्शन, भैरव मंदिर दर्शन (यात्री होटल से स्वम पैदल, घोडा, पालकी द्वारा जायेगे व वापसी कटरा होटल आयेगे) (रात्रि विश्राम कटरा)।
दसवां दिन	**कटरा** से प्रस्थान शिवखोड़ी दर्शन प्राकृतिक सौंदर्य भ्रमण (रात्रि विश्राम कटरा)
ग्यारवां दिन	**कटरा** से चलकर अमृतसर में बाघा बॉर्डर दिखाते हुए रात्रि विश्राम अमृतसर में।
बारहवां दिन	**अमृतसर** से स्वर्ण मंदिर, जलियांवाला बाग करते हुए रात्रि विश्राम कुरुक्षेत्र।
तेरहवां दिन	**दिल्ली** आगमन एवं दिन के भोजन पश्चात मधुर स्मृतियो के साथ यात्रा समाप्त।

यात्रा किराया:- भोजन, चाय, नाश्ता, A/C डबल बैड होटल रूम, घुमाने के लिए A/C पुशबेक डीलक्स बसों सहित किराया ₹**30,001/-** प्रति यात्री होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹**1,001/-** प्रति यात्री 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I. बैंक खाते में या हमारी किसी भी अधिकृत बुकिंग एजेन्सी पर जमा करवा दें। शेष धनराशि प्रथम दिन दिल्ली पहुँचने पर संस्था द्वारा ली जायेगी। नोट (वैष्णो देवी में कटरा से भवन पैदल रास्ता व शिवखोडी मे पैदल रास्ता) में घोड़े / पालकी का किराया एवं नैना देवी मे ट्राली का किराया यात्री का स्वयं का रहेगा। पहाड़ों पर A/C सुविधा नहीं रहेगी। कृपया बस यात्रा के नियम पेज नं. 18 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

बस व रेल रिजर्वेशन द्वारा यात्रा की नियम व सुविधाऐं।

1. यात्रियों के लिए यात्रा में सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी रहेगी। शाम को चाय होगी। दाल-चावल व रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइंड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनेगा। समयानुसार यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। <u>दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक-एक पानी की बोतल दी जायेगी।</u>
2. हमारी यात्रा में केवल सामान्य दवाई की ही व्यवस्था होगी। जो यात्री नियमित रूप से दवाई लेते हैं वे यात्री यात्रा प्रोग्राम के दिनो के अनुसार कृपया अपनी दवाईयां साथ में लावे। जरुरत पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मंदिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री स्वयं के खर्च से पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा। A/C बस यात्रा में A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। संक्रमक रोगी, मादक पदार्थों का सेवन करने वाले वा झगडालू यात्री को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार मैनेजर का होगा।
3. रात्रि विश्राम के लिए होटल का प्रबन्ध यात्रियों के लिए डबल बैड रूम में किया जाएगा लेकिन अगर कोई अलग से सिंगल बेड रूम लेने चाहे तो ऐसे में यात्री ₹6000 प्रति रूम अतिरिक्त भुगतान करके ले सकते है।
4. यात्री अपने साथ असली पहचान पत्र (आधारकार्ड और वोटर आई.डी.) और 1 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य साथ लावे। <u>यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।</u>

<u>यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।</u>

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा।
- संस्था द्वारा बनाई गई रेल टिकट में सीट रेलवे तय करता है। कृपया आवंटित सीट पर यात्रा का आनंद लें। बस में सीट लॉटरी के माध्यम से आवंटित की जायेगी।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में रेल लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थितियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।